श्मशानभूमि में किसने लगाए वह बोर्ड?

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 23 दिसंबर - रहाटगांव की श्मशानभूमि का विवाद फिर उभरकर सामने आया है. यहां पर महापालिका के नाम पर लगाए गए बोर्ड मनपा ने नहीं लगाए हैं, ऐसा खलबली मचाने वाला स्पष्टीकरण सूचना अधिकार के तहत प्राप्त हुआ है. उल्लेखनीय है कि, बोर्ड लगाने के बाद नागरिकों की शिकायतें प्राप्त होते ही बोर्ड तुरंत ढके गए. अब मनपा ने जिम्मेदारी न लेने से वह बोर्ड लगाने वाला कौन? यह सवाल गहराकर सामने आया है.

स्वतंत्रता पूर्व समय से रहाटगांव की उक्त जगह हिंदू श्मशान भूमि के लिए आरक्षित है, लेकिन यहां पर बड़े पैमाने पर सुविधाओं का अभाव रहने से नागरिकों ने श्मशानभूमि के निर्माण कार्य के लिए मनपा आयुक्त और जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा था, लेकिन प्रशासन ने इसकी कोई दखल नहीं ली. इसलिए फिर अगस्त में नागरिकों ने ज्ञापन सौंपा, जिसके बाद सहायक संचालक नगर रचना विभाग ने दूसरे ही दिन उपअधीक्षक तहसील भूमि अभिलेख कार्यालय

मनपा के इंकार से उत्पन्न हुआ सवाल

को जगह नापने के लिए पत्र दिया था. ग्रामवासियों ने नाप के लिए 6000 रुपए के शुल्क का भुगतान भी किया था, लेकिन कुछ लोगों ने दबाव डालकर 5 सितंबर को नांदगांव पेठ पुलिस थाने में ग्रामवासियों की सभा बुलाई, लेकिन मामला हल नहीं हुआ.

10 सितंबर को विरोधियों ने फिर दबाव डालने से अगले निर्देशों तक मनपा प्रशासन ने इस जगह पर अंतिम विधि करने पर पाबंदी लगाई, उस आशय के बोर्ड वहां लगाए गए. ग्रामवासियों ने मनपा अधिकारियों को इसकी जानकारी देने पर उसी दिन बोर्ड ढके गए.

दूसरे दिन संबंधित सभी विभागों से ग्रमवासियों ने इस बारे में पूछने पर सभी विभागों के अधिकारियों ने हमने कुछ नहीं किया, ऐसा बताकर हाथ झटक लिए. बात की सच्चाई जानने के लिए ग्रामवासियों ने सूचना अधिकार के तहत जानकारी मांगी. जिसके जवाब में मनपा ने श्मशान भूमि की जगह पर कोई बोर्ड नहीं लगाए हैं, ऐसी चौंकाने वाली जानकारी दी गई.

अब सवाल यह पैदा हुआ है कि मनपा के नाम से किसने यह फलक लगाए? फिर वह क्यों ढके गए. प्रशासन को खिलाने वाला इसके पीछे का मास्टरमाइंड कौन है आदि सवाल उभरकर सामने आये हैं. नागरिकों ने अब नांदगांव पुलिस थाने में इसकी शिकायत दर्ज की है. ऐसे में क्या सच्चाई उजागर होती है, इसकी उत्सुकता सभी को लगी है.

अभ्यासा स्कूल के चार विद्यार्थियों का क्रिकेट स्पर्धा के लिए चयन

27 को नेपाल के लिए रवाना होंगे खिलाड़ी

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 22 दिसंबर- स्थानीय अभ्यासा इंग्लिश स्कूल रेवसा रोड अमरावती के 17 वर्ष के विद्यार्थियों का टेनिस बाल क्रिकेट की नेपाल में होने वाली राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के लिए चयन किया गया है.

यह चयन जिला स्टेडियम में आयोजित की गई है, इसमें चुने गए विद्यार्थियों में श्रीजित देशमुख, आयुष कालबांडे, पीयुष वाढविकर, श्रीमंत उमाले का समावेश है. सभी चयनित विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय प्राचार्या कांचनमाला गावंडे, प्रवीण ठाकरे, क्रीडा शिक्षक शोएब को दिया है.

जिला टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन की सदस्य यशोमति ठाकुर , अध्यक्ष विलास इंगोले ,उपाध्यक्ष ज़िया खान, कोषाध्यक्ष तनवीर जमल, सचिव शम्स परवेज, सह सचिव अबीद पठान हैं. सभी चयनित खिलाड़ी 27 दिसंबर, शुक्रवार को सुबह 10 बजे नागपुर से नेपाल के लिए रवाना होंगे.

भेड़ पालकों की समस्याओं का करें निराकरण, अन्यथा 'वाडा' आंदोलन

अर्जुन महानर की मांग, सौंपा ज्ञापन

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
चांदूर रेलवे, 22 दिसंबर - भेंड़ पालक समुदाय की विविध समस्याओं के निराकरण की मांग लेकर भेंड़ पालक पुत्र आर्मी की ओर से अमरावती जिलाध्यक्ष अर्जुन महानर के नेतृत्व में विभागीय आयुक्त के मार्फत मुख्यमंत्री व दुग्धविकास पशु संवर्धन व विभाग को भेजे गए निवेदन में की है.

निवेदन में उल्लेख किया गया है कि, बाहर राज्य के स्थाई स्थानांतरित भेंड़पालकों को चराईबंदी की जाए, ताकि उनसे होने वाली बीमारियों से पशुओं का बचाव हो, वन कानून 1927 के तहत प्रतिबंधित वनराई अधिकार हटाएं, भेंड़ बकरियों की आकस्मिक मृत्यु के लिए नुकसान भरपाई दी जाए, भेंड़पालक समूह को वन अधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत चराई के लिए पूर्ण विकास नीति चलाई जाए. भेंड़पालकों पर हो रहे अन्याय को रोकना तथा झूठे केस पीछे लिए जाएं, भेंड़-बकरियों की 3 माह में स्वास्थ्य जांच की जाए आदि अनेक मांगें की गई हैं. अंतर्राज्यीय सीमा पर रहने वाले पशु संवर्धन विभाग के चेकपोस्ट उपरोक्त संपन्न कार्रवाई के पिछले दो वर्षों की वस्तुनिष्ठ रिपोर्ट इसके संबंध में अनुगमन किया जाए.

इस प्रकार की अनेक मांगों का भेंड़पालक बंधुओं ने निवेदन में उल्लेख किया है. ऐसे में भेंड़ पालकों के निवेदन की गंभीरता से 8 दिनों के भीतर दखल लेकर योग्य कार्रवाई न करने पर विभागीय आयुक्त कार्यालय के समक्ष 'वाडा आंदोलन' करने की चेतावनी भी भेंड़ पालकों ने दी है.

संत गाडगेबाबा ने समाज के साथ-साथ लोगों का मन को भी स्वच्छ किया

डॉ. संतोष देव महाराज का प्रतिपादन

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 22 दिसंबर- संत गाडगोबाबा विज्ञानवादी दृष्टिकोण रखने वाले संत थे. अंधश्रद्धा, कर्मकांड, बाबा-महाराज पर कीर्तन के माध्यम से प्रबोधन करके उन्होंने जीवन भर समाज प्रबोधन का काम किया. संत गाडगे बाबा ने समाज के साथ-साथ लोगों के मन को भी स्वच्छ किया, ऐसी बात शिवधारा आश्रम के संस्थापक डा संतोष देव महाराज ने कही. संतोषदेव महाराज संत गाडगे बाबा की पुण्य तिथि के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह के अध्यक्षीय भाषण में बोल रहे थे.

संत गाडगेबाबा की पुण्य तिथि के अवसर पर पूज्य शिवधारा आश्रम एवं शब्दप्रभु पत्रिका की ओर से गाडगेबाबा स्मृति राष्ट्रीय जीवन सम्मान एवं सेवा सम्मान पुरस्कार समारोह का आयोजन डॉ. श्री संतोष देव महाराज की अध्यक्षता में पूज्य शिवधारा आश्रम में आयोजित किया गया. कार्यक्रम में संत गाडगेबाबा स्मृति राष्ट्रीय सेवा पुरस्कार से सम्मानित भालचंद्र बिजवे, विलास साखरे, अमोल चव्हाणे, सुभाष तालदा, वासुदेव किषनानी, मुकेश

संत गाडगेबाबा राष्ट्रीय सन्मान समारोह उत्साह के साथ सम्पन्न

हरवानी, मुकुंद मोरे, नानकराम नेभनानी और लप्पीसेठ जाजोदिया को उपस्थित गणमान्य लोगों ने सम्मानित किया.डॉ. अनिल देशमुख ने अपने भाषण में सभी पुरस्कार विजेताओं के कार्यो की सराहना की और उन्हें शुभकामनाएं भी दीं, इस दौरान उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की भी सराहना की गई.अपने भाषण में सुभाष पावड़े ने संत गाडगेबाबा स्मृति राष्ट्रीय सेवा सम्मान पुरस्कार आयोजन समिति द्वारा आयोजित कार्यो की भूरि-भूरि प्रशंसा की और संत संतोष देव महाराज, संस्थापक शिवधारा आश्रम को शुभकामनाएं दीं.संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन शब्द प्रभु पत्रिका की सह संपादक सुश्री मंजूषा उताणे ने किया. इस अवसर पर संयोजिका योगिता बोंडे भी उपस्थित थीं. आयोजन समिति के सदस्य जुगलकिशोर गट्टानी, दादासाहब टोपले लक्ष्मणराव धवले, रूपमसिंह सूर्यवंशी, रंगराव कडू महाराज, डॉ. उज्वला ढेवाले, पल्लवी गुलालकर, हर्षा सगाने, कोमल उताणे सहित बड़ी संख्या में नागरिक, साधु-संत उपस्थित थे. गाडगेबाबा के गोपाला गोपाला देवकीनंदन गोपाला भजन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ.

ठंड से बचाव के लिए पशुओं को पहनाया बोरा

पशु चिकित्सकों ने किया सावधानी बरतने का आवाहन

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
दर्यापुर, 22 दिसंबर - बीते 5-6 दिनों से ठंड का असर बढ़ा है. ठंड से बचने के लिये जहां नागरिक गर्म कपड़ों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वहीं पशुपालक पशुओं को ठंड से बचाने के उन्हें बोरा (बारदाना) पहना रहे हैं. कड़ाके की ठंड की वजह से दुधारू जानवरों के दूध पर भी असर होता दिखाई दे रहा है. साथ ही बछड़ों को तकलीफ हो रही है. इसलिये जानवरों को ठंड से बचाने पशुपालक जानवरों को बोरा पहना रहे हैं.

पशु चिकित्सकों ने ठंड से जानवरों को बचाने के लिए सावधानी बरतने का आवाहन किया है. जानवरों को ठंड से बचाने के लिए उन्हें चरने के लिये धूप में छोड़ें. पशुओं को गर्म कपड़े पहनाएं. टीन का छत हो तो उस पर सूखी घास अथवा चारा फैलाएं. कृत्रिम गर्मी की सुविधा करें. दुधारू पशुओं को संतुलित आहार और स्निग्ध खाद्य दें. रात में खुले में ना बांधें. ठंडा पानी न पिलाएं. गोठे में नमी और धुआं को टालें.

ठंड से जानवरों का दूध हुआ कम: ठंड बढ़ने की वजह से दुधारू मवेशियों के दूध पर असर हुआ है. जिससे पशुपालकों का नुकसान हो रहा है. ठंड के कारण दुधारू जानवर पानी नहीं पी रहे हैं, इसलिये दूध कम आ रहा है. इसलिये जानवरों को बोरा पहनाकर ठंड से बचाव किया जा रहा है.

संदीप देशमुख, पशुपालक

डायनामिस क्लीनिक की वर्षगांठ में आए देशभर के डॉक्टर

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 22 दिसंबर - डायनामिस एडवान्स होमियोपैथिक एण्ड रिसर्च सेंटर का 10वां स्थापना दिन 21 व 22 दिसंबर को डॉ. सुनीरमल सरकार (कोलकाता), मुंबई के डॉ. गजानन धाणिपकर, डॉ. राजेश उपाध्याय, डॉ. पवन साबू, नागपुर के डॉ. स्वप्रिल चौधरी की उपस्थिति में शंकर नगर रोड डायनामिस क्लीनिक में मनाया जा रहा है. इस कार्यशाला में पूरे भारत से बैंगलुरु, गोवा, पुणे, अकोला, यवतमाल, नागपुर और गुजरात से डॉक्टर्स की टीम पहुंची है.

डॉ. सुनीरमल सरकार ने कैंसर पर आयी नई औषधि के बारे में जानकारी दी. पेशेंट के साथ बातचीत कैसे करें, यह भी बताया गया. साथ ही इस शिविर के आयोजक डॉ. राजेश उपाध्याय, डॉ. पवन साबू, डॉ. स्वप्रिल चौधरी तथा डॉ. झंवर ने भी विचार व्यक्त किये. इस कार्यक्रम की सफलता के लिए डॉ. श्रद्धा सगलानी, डॉ. प्रतीक मालू, डॉ. क्षमा राठी ने मौलिक सहयोग किया. इस वर्धापन दिन कार्यक्रम में भारत से उपस्थित हुये डॉक्टर्स में डॉ. अभिनव लोणारे,

10वीं वर्षगांठ मनाई गई

डॉ.अरुण पांड्या,डॉ.अनिकेत गजेरा, डॉ. अंकुर पटेल, डॉ. अश्वत्थाननारायण, डॉ.भागेश दावडा, डॉ. चंद्रशेखर नागलीकर, डॉ. दीपक केदार, डॉ. न्यानेश्वर देरंगे, डॉ. दुरुगसिंग जाधव, डॉ. कालिदास तनवी, डॉ. काशीद अहमद खान, डॉ. कौशिक गांधी, डॉ. किरण साळुंखे, डॉ.मुकेश तंदळे, डॉ. एमडी खालीद नुराणी, डॉ.अभिषेक, डॉ.नयना परमार, डॉ.नभि शेख, डॉ.नंदा शेन्याव, डॉ. पल्लवी धावजेकर, डॉ. प्रभाकर वाकडे, डॉ. प्रदीप सेनाव, डॉ. प्रदीप वळसे पाटिल, डॉ. प्रदीप मेहसरे, डॉ.पूनम महाजन, वडोदे, डॉ. राजेंद्र नेमाणे, डॉ. राजीव कारिया, डॉ. शकील मुलांनी, डॉ. शासेन अली, डॉ. सोहेल अन्सारी, डॉ. सूरज काळे, डॉ. तुषार मिश्रा, डॉ. विशाल नरवणे, डॉ. आबेनी खुवून्ग उपस्थित थे.

इंडिया बुक ऑफ रिकॉड्‌र्स में आरुष का नाम शामिल

'आईबीआर अचीवर' से सम्मानित

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 22 दिसंबर - लायंस क्लब ऑफ अमरावती प्रीमियम के पूर्व अध्यक्ष हर्षद जावरकर के बेटे आरुष जावरकर को 3 साल 6 महीने की उम्र में 3 मिनट 49 सेकंड में संपूर्ण हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए 'आईबीआर अचीवर' के पुरस्कार से नवाजा गया है.

बता दें कि, आरुष कठोरा रोड स्थित पोदार स्कूल में नर्सरी कक्षा का छात्र है. उनके क्लास टीचर का कहना है कि, मास्टर आरुष एक छात्र के रूप में बहुत अनुशासित और जिज्ञासु है. 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉड्‌र्स' के संपादकीय बोर्ड द्वारा किए गए परीक्षण में सर्वश्रेष्ठ का चयन और अनुमोदन किया जाता है. इंडिया बुक ऑफ रिकॉड्‌र्स साल 2006 से भारतीय रिकॉड्‌र्स का क्यूरेटर और संरक्षक रहा है. हर साल, इंडिया बुक ऑफ रिकॉड्‌र्स धारकों को प्रधान मंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए नामांकित किया जाता है और गणतंत्र दिवस परेड के कार्यक्रम में सम्मानित किया जाता है.इस शुभ अवसर पर आरुष के दादा-दादी डॉ. अजय जावरकर व डॉ. ज्योति जावरकर ने उसे बधाई दी है.उसके उज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिये. उसके पिता हर्षद व माता स्वाति जावरकर ने अपने बच्चों को शुभकामनाएं दीं.इस समय लायंस क्लब ऑफ प्रीमियम के सभी सदस्य आरुष को शुभकामनाएं देने उसके घर पहुंचे थे, जिसमें डॉ. लक्ष्मीकांत राठी,डॉ. निक्कू खालसा, प्रेसिडेंट राहुल चड्ढा, सचिव ऋषभ चांडक, कोषाध्यक्ष अरुण काळबांडे, रतनदीप सिंघ बग्गा, राज सिंघ छाबड़ा, आशीष पेटे, प्रदीप कोल्हे, संकेत महल्ले, मनीष दारा, रोहित खुराना, प्रियेश पोपट, रविश सरवैया, अंगद देशमुख, संजय देशमुख, कपिल खरपे,गौरव सिसोदिया, राजेश छाबड़ा,पंकज छाबड़ा, मनीष खंडेलवाल उपस्थित थे.

भारतीय बौद्ध महासभा का विरोध प्रदर्शन आज

अमित शाह की आपत्तिजनक टिप्पणी पर आक्रोश

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 22 दिसंबर - केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा राज्यसभा में डॉ. बाबासाहब आंबेडकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई, जिससे संपूर्ण देश में आक्रोश है. भारतीय बौद्ध महासभा द्वारा सोमवार, 23 दिसंबर को जिलाधीश कार्यालय पर दोपहर 12 बजे अमित शाह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा.राज्य संगठक विजयकुमार चोरपगार ने इस विरोध प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी होने का आवाहन किया है. बाबासाहब का अपमान करने वाले अमित शाह को संवैधानिक पद से हटाने व देश से माफी मांगने के लिए आंदोलन किया जा रहा है.

महाराष्ट्र पक्षीमित्र संस्था के पुरस्कार घोषित

अमरावती,प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार, 22 दिसंबर - महाराष्ट्र पक्षीमित्र संस्था की ओर से दिए जाने वाले 2024 के पक्षीमित्र पुरस्कारों की घोषणा की गयी है. इस वर्ष का पक्षीमित्र जीवन गौरव पुरस्कार गोविंद रघुनाथ सबनीस, पंढरपुर को घोषित किया गया है. जबकि राहुल वकारे (वर्धा) को पक्षी जनजागृति पुरस्कार और पक्षी संवर्धन तथा सेवा पुरस्कार फिरोज गुलाब चाऊस (निपाणी, बेलगांव, कर्नाटक), इस वर्ष का पहला पक्षी साहित्य पुरस्कार माणिक प्रल्हाद पुरी (परभणी) को घोषित किया गया है. पुरस्कारों का वितरण शेवगांव, अहिल्या नगर में होगा.

बहिरम में गाडगे महाराज को अभिवादन

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
चांदूर बाजार, 22 दिसंबर- स्वच्छता के महान पुजारी कर्मयोगी संत गाडगे महाराज ने स्वच्छता तथा साफ-सफाई के बारे में लोगों को आजीवन कीर्तन के माध्यम से जागृत किया. परंतु श्री क्षेत्र बहिरम स्थित गाडगे महाराज का पुतला अनेक दिनों से अस्वच्छता के घेरे में था. विविध अखबारों ने इस वास्तव को उजागर किया. लोकविकास संगठन ने पहल कर इस परिसर का सौंदर्यीकरण तथा संत गाडगे महाराज के पुतले पर शेड का निर्माण कार्य दानदाता व्यक्तियों के सहयोग से कर लिया था, जिससे लोकविकास संगठन की अनेकों ने सराहना की थी.

इस वर्ष भी कर्मयोगी संत गाडगे महाराज की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में

लोकविकास संगठन का उपक्रम

लोकविकास संगठन, विद्यार्थी तथा नागरिकों के सहयोग से उपरोक्त संपूर्ण परिसर में स्वच्छता मुहिम चलाकर संत गाडगे महाराज को उनकी पुण्यतिथि पर अनोखा अभिवादन कर समाज के समक्ष एक अलग आदर्श स्थापित किया है. विशेष बात यह कि आज पुण्यतिथि के दिन से ही महाराष्ट्र में सुविख्यात ऐसी बहिरम यात्रा की शुरुआत हुयी है.

कर्मयोगी गाडगे महाराज की पुण्यतिथि पर आज सुबह श्री क्षेत्र बहिरम में स्थित गाडगे महाराज के पुतले का पूजन और माल्यार्पण कर स्वच्छता मुहिम की शुरुआत की. इस स्वच्छता मुहिम में लोकविकास संगठन के संस्थापक अध्यक्ष गोपाल भालेराव के मार्गदर्शन में संगठन के श्रेयस बर्वे, इरफान सौदागर, रोशन भडांगे, मोशराज दांडगे, किशोर तायडे, ऋषिकेश रडके, कैलास गडलिंग सहित पदाधिकारियों ने सहभाग लिया. इस संपूर्ण स्वच्छता मुहिम में ई.एस. विद्यालय बोदड़ (का.ब.) मुख्याध्यापक डी.ए. धोटे, आर.एन. चौधरी, यू.एम. निंभोरकर, जी.के. कोल्हे, जी.एन. धोटे, यू.पी. मेश्राम, एस.एम. मेश्राम, डी.आर. उमक सहित संपूर्ण शिक्षक स्टाफ तथा विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभाग लिया.

वन बंधु परिषद की ओर से तेलखेड़ा मेलघाट वनयात्रा

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 22 दिसंबर- वन बंधु परिषद एकल विद्यालय अभियान अंतर्गत मेलघाट में वनयात्रा का आयोजन किया गया. तेलखेड़ा परिसर में आयोजित इस यात्रा के माध्यम से जो बच्चा स्कूल नहीं जा सकता, ऐसे बच्चों तक स्कूल पहुंचाने की पहल की जाती है. खेलकूद के माहौल में बच्चों में अपनी संस्कृति के माध्यम से संस्कार भरने की कोशिश की जाती है. इसी कोशिश को समाज तक पहुंचाने वनबंधु महिला समिति द्वारा मेलघाट तेलखेड़ा परिसर की वन यात्रा कर बच्चों से संवाद करने का प्रयास किया गया.

वन बंधु महिला समिति की अध्यक्ष आशा लड्ढा, उषा करवा, ज्योति कंठालिया, राधा काकाणी, संगीता टवाणी,डॉ.सुषमा राठी, परतवाड़ा से उमा चितलांगे, डॉ. माधुरी चौसरिया, सरिता केडिया के साथ सुमित कलंत्री, डॉ. मंडे आदि उपस्थित थे.

एकल विद्यालय अभियान का आयोजन

सुबह 10 बजे बस से यात्रा कर सभी सदस्य परतवाड़ा पहुंचे यहां अंचल अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने चाय-पानी की व्यवस्था की. दोपहर 1 बजे सभी सदस्य मेलघाट पहुंचे. महिलाओं का बच्चों एवं सेवकों द्वारा ढोल मजीरा के साथ स्वागत किया. आचार्य द्वारा उपस्थित सभी महिलाओं को एकल विद्यालय की जानकारी दी गई. पांच आयाम शिक्षा प्रणाली में संस्कार, खेल, जैविक खेती, शिक्षा, बच्चों को सिखाई जाती है. पूरे भारत में कुल 1 लाख से अधिक विद्यालय हैं. कार्यक्रम पश्चात गांववासियों द्वारा स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गयी. सभी महिलाओं ने गांववालों से बातचीत की.

इस विद्यालय में सालभर एक बच्चे का खर्च 1500 रुपए है. एक स्कूल का खर्च 30 हजार होता है. सखियों ने एक अथवा दो, तो किसी ने 6 बच्चों का खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली. मंडल ने एक स्कूल गोद लेने का मानस भी व्यक्त किया. गांव की 50 महिलाओं के साथ हल्दी कुमकुम कर उन्हें वान रुपी बेडशीट वितरित की गयी. स्कूल के बच्चों को टिफिन बॉक्स दिये गये. उन सभी के चेहरे की मुस्कान देख महिला मंडल की यात्रा सफल हुई, ऐसी अनुभुति हो रही थी. यात्रा में समिति समेत अन्य ऐसी कुल 30 महिलाओं का सहभाग रहा.अंचल अभियान प्रमुख किशोर हेकड़े, नकुल येवले (संच प्रमुख), खुशाल पात्रे (आचार्य), प्रकाश शिंद्रे (ग्राम प्रमुख) का कार्यक्रम को विशेष सहयोग रहा. संस्था के पदाधिकारी ने उपक्रम से जुड़ने का आवाहन किया. अधिक जानकारी के लिए आशा लड्ढा, राजश्री निखरा, उषा करवा से संपर्क करने का आवाहन किया है.